

से करने का प्रयत्न, मुहा. द्रविड़ प्राणायाम करना- सीधी बात को घुमा-फिराकर कहना।

द्रविण पुं. (तत्.) 1. धन-सम्पत्ति 2. सुवर्ण, सोना।

द्रवित वि. (तत्.) दे. द्रवीभूत।

द्रवीकरण पुं. (तत्.) ठोस या गैस को द्रव रूप में बदलना।

द्रवीभूत वि. (तत्.) 1. जो द्रव रूप में आया हो या लाया गया हो, तरलीकृत, द्रवित 2. पिघला/पिघलाया हुआ 3. जो दया-भाव से पसीज गया हो।

द्रव्य पुं. (तत्.) 1. वस्तु, पदार्थ, चीज़ 2. वह उपादान सामग्री या उपयुक्त वस्तु जिससे अन्य वस्तुएँ बनती हैं जैसे- चाँदी, सोना आदि 3. वह पदार्थ जो गुण का आश्रय हो 4. धन, सम्पत्ति, सामान आदि 5. मदिरा, शराब टि. धर्म, अधर्म, आकाश, पुद्गल काल और जीव नामक छह द्रव्य जैन धर्म में माने गए हैं।

द्रव्यता स्त्री. (तत्.) द्रव्य होने की अवस्था/गुण/भाव।

द्रव्यमय वि. (तत्.) 1. द्रव्य से युक्त, पदार्थमय, 2. धनी, सम्पत्तिवान्।

द्रव्यमान वि. (तत्.) भौ. गणि. किसी वस्तु में विद्यमान पदार्थ की मात्रा, संहत पदार्थ, संहति।

द्रव्यवती स्त्री. (तत्.) दे. द्रव्यवान्।

द्रव्यवाद पुं. (तत्.) पा.दर्श. यह सिद्धांत कि दृश्य जगत् के पीछे कोई वास्तविक सत्ता है।

द्रव्यवान् वि. (तत्.) 1. द्रव्य/पदार्थ से युक्त, धनी, सम्पन्न।

द्रव्य-संस्कार पुं. (तत्.) यज्ञ आदि के लिए वस्तुओं की शुद्धि।

द्रव्यांतर पुं. (तत्.) प्रस्तुत द्रव्य से भिन्न कोई अन्य द्रव्य।

द्रव्यार्जन पुं. (तत्.) 1. धन की प्राप्ति 2. धन कमाने की क्रिया/भाव, धनोपार्जन।

द्रष्टव्य वि. (तत्.) 1. देखे जाने योग्य, दर्शनीय 2. सुंदर, मनोहर।

द्रष्टा वि. (तत्.) देखने वाला, दर्शक पुं. 1. साक्षी 2. ऋषि 3. दर्शक व्यक्ति।

द्राक्षा स्त्री. (तत्.) अंगूर, दाख।

द्राव पुं. (तत्.) चूना, बहना।

द्रावक वि. (तत्.) किसी ठोस वस्तु को द्रव बना देने वाला 2. गलानेवाला 3. पिघलानेवाला 4. मन को करुणा/दया से कोमल बना देने वाला पुं. 1. चन्द्रकांत मणि 2. धूर्त व्यक्ति 3. मोम 4. सुहागा।

द्रावण पुं. (तत्.) 1. द्रवीभूत करने की क्रिया/भाव 2. द्रवीकरण, पिघलाना या गलाना।

द्राविड़ दे. द्रविड़।

द्रावित वि. (तत्.) 1. द्रव के रूप में किया हुआ, गलाया हुआ 2. दया-भाव से विह्वल किया हुआ, दयाद्र किया हुआ।

द्रिठि स्त्री. (देश.) दे. दृष्टि।

द्रिढ़ वि. (देश.) दे. दृढ़।

द्रिब्ब पुं. (देश.) द्रव्य।

द्रिष्टि स्त्री. (देश.) दृष्टि।

द्रुघण पुं. (तत्.) 1. काठ की हथौड़ी 2. कुल्हाड़ी 3 ब्रह्मा।

द्रुत वि. (तत्.) 1. वेगवान्, तेज़ 2. बहा हुआ 3. पिघला हुआ, जिसकी गति साधारण से अधिक हो जैसे- द्रुत लय।

द्रुतगति वि. (तत्.) तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी।

द्रुतगामिनी वि.स्त्री. (तत्.) द्रुतगामी (स्त्री)।

द्रुतपद पुं. (तत्.) तेज़ चलने वाला, शीघ्रगामी चरण छंद. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में नगण, भगण, नगण, यगण (न भ न य) के योग से 12 वर्ण होते हैं।

द्रुतलय स्त्री. (संगीत.) मध्यलय की द्विगुण द्रुत लय।

द्रुतविलंबित पुं. (तत्.) छंद. एक समवर्णिक छंद, सुंदरी छंद।

द्रुति स्त्री. (तत्.) 1. तरल पदार्थ, द्रव 2. द्रवित होने की अवस्था/भाव, द्रवण, पिघलाव।

द्रुतै क्रि.वि. (तत्.) शीघ्र, जल्दी।